been helpful and commensurate with the expenditure incurred on him?

The Minister of Education (Shri M. C .Chagla): (a) No Sir.

(b) and (c). Do not arise.

संसद् सदस्यों के मकानों में चोरियां

२१८७. { **श्रीमती जोहराबेन चावडा :**
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री बड़े :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले एक वर्ष में संसद् सदस्यों के मकानों में कितनी चोरियां हुईं या कितनी बार चोरी के प्रयत्न किये गये;

(ख) कितने मामलों में कार्यवाही की गई और कितने चोर पकड़े गये;

(ग) क्या किसी सदस्य को धमकी भी किसी मामले में दी गई; और

(घ) यदि हां, तो सरकार ने क्या कार्यवाही की ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री हाथी) : (क)

चोरियां (इन में सेंध लगाने सहित चोरियां भी शामिल हैं)	३८
चोरियों के प्रयत्न	कोई नहीं ।

(ख) सारे मामलों में जांच की गई तथा ३ व्यक्ति गिरफ्तार किये गये ।

(ग) जी हां ।

(घ) मामले की जांच की जा रही है । संरक्षण देने के लिये उपयुक्त प्रबंध किये गये हैं ।

Delhi Police Personnel

2188. { **Shri Kachhavaiya:**
Shri Brij Raj Singh:

Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Delhi Administration has submitted a proposal to revise the pay scale of Delhi Police personnel; and

(b) if so, whether the scales recommended by Delhi administration are being considered?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hathi): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Criminal Cases of Punjab

2189. { **Shri A. V. Raghavan:**
Shri Pottekkatt:

Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state the number of criminal cases transferred from the State of Punjab to courts outside the State by the Supreme Court during the last three years?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hathi): The information is being collected and will be placed on the Table of the House.

असिस्टेंटों को स्थायी बनाना

२१९०. **श्री कछवाय** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अनेक असिस्टेंट दस वर्ष से अधिक सन्तोषजनक सेवा में रहते हुए भी अभी तक उसी ग्रेड में अस्थायी काम कर रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो ऐसे असिस्टेंट कितने हैं;

(ग) किसी विशेष ग्रेड में स्थायी होने के लिये कितने समय की सेवा आवश्यक है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) तथा (ख). दस वर्ष से अधिक सेवा वाले अस्थायी असिस्टेंटों की संख्या ३६५ है ।

(ग) ऐसी कोई अवधि विहित नहीं की जा सकती क्योंकि किसी ग्रेड में स्थायी खाली पद उपलब्ध होने पर ही उस में काम करने वाले व्यक्तियों को स्थायी किया जा सकता है ।

सेना के बमों की कथित बिक्री

२१६१. { **श्री बड़े** :
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि ग्राम जलकोट, तहसील महेश्वर, जिला खरगोन, मध्य प्रदेश, में होली के अवसर पर किसी ने बम गाड़ दिया था;

(ख) क्या उस बम के फटने से होली की पूजा करने वालों में से ४ व्यक्तियों की मृत्यु हो गई, ६ घायल हुए और सारा ग्राम जल कर राख हो गया;

(ग) क्या यह सच है कि उक्त बम सेना के कर्मचारियों ने एक मुसलमान को २०० रुपये में बेचा था और इस प्रकार के कई बम कुछ और व्यक्तियों को बेचे गये हैं; और

(घ) क्या महू छावनी के डिफेंस स्टोर से चांदमारी के समय जो बम गायब हुए थे उनके बारे में कोई जांच की गई है और यदि हां, तो कुल कितने बम गायब थे ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) जी हां ।

(ख) दो व्यक्ति उसी स्थान पर मर गये, दो अन्य व्यक्ति बाद में हस्पताल में मरे, तथा पांच व्यक्तियों को गहरी चोटें लगीं । यह बात सत्य नहीं है कि सारा गांव जल कर राख हो गया । आग से केवल पशुओं के एक शैड को क्षति पहुंची ।

(ग) जी नहीं ।

(घ) सैनिक अधिकारियों से यह मालूम हुआ है, कि चान्दमारी के पश्चात् चार ब्लाइंड (अर्थात् वे बम्ब जो नुक्स आदि होने के कारण फटे नहीं थे) नष्ट करने के हेतु नहीं मिल सके तथा २६-१०-१९६२ को इस मामले की रिपोर्ट मंडलेश्वर के सर्कल इन्स्पैक्टर आफ पुलिस को की गई ।

Abolition of Illiteracy

2192. { **Shri Gahmari:**
Shri Vishwa Nath Pandey:

Will the **Minister of Education** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Indian National Commission for Co-operation with the UNESCO has urged that UNESCO should take up urgently a project for the abolition of illiteracy in the areas of over-whelming illiteracy in the world; and

(b) if so, the reaction of the UNESCO thereto?

The Minister of Education (Shri M. C. Chagla): (a) and (b). The Indian National Commission for Co-operation with Unesco at its Sixth Conference held in New Delhi on March 21-22, 1964 adopted a resolution recommending that Unesco should take up the abolition of illiteracy in the areas of overwhelming illiteracy in the world as a Major Project of an urgent nature and strive to arouse the conscience of the world and mobilise world resources so that world illiteracy is reduced to minor proportions in a comparatively short period of time.

This recommendation will be sent to Unesco for consideration at its next